पी.एम.जनमन / धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन), भारत सरकार की एक महत्वकांक्षी योजना है, जिसका शुभारम्भ वर्ष 2023 में इस उद्देश्य से किया गया कि PVTG (Particularly Vulnerable Tribal Group) Habitation से सम्बंधित विभिन्न जनजातीय ग्रामों में निवास कर रही बुक्सा एवं राजी जनजाती के नागरिकों को स्वास्थ्य एवं अन्य सेवाओं से संतृप्त किया जा सके।

जिसके तहत भारत सरकार द्वारा PVTG Habitation वाले विभिन्न जनजातीय ग्रामों को चिन्हित किया गया, जिनमें निवासरत बुक्सा एवं राजी जनजाती के नागरिकों को स्वास्थ्य इकाइयों / सचल चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाऐं निरन्तर प्रदान करवाई जानी हैं, और आम जनमानस को स्वास्थ्य सेवाओं से संतृप्त किया जाना है।

साथ ही धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत कुछ PVTG, आकांक्षी विकासखण्ड के गांवों एवं कुछ अन्य गांवों को चिन्हित किया गया है।

मुख्य उद्देश्य:- राज्य में निवासरत बुक्सा एवं राजी जनजाती के नागरिकों एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हित गांवों को स्वास्थ्य इकाइयों / सचल चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से निरन्तर स्वास्थ्य सेवाओं से संतृप्ति सुनिश्चित किया जाना है।

कार्यक्रम क्रियान्वयन रणनीति:-

स्वास्थ्य सेवाओं की संतृप्ति:-

1- **स्वास्थ्य इकाइयों के माध्यम से संतृप्ति:-** पीवीटीजी एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हित गांवों से सम्बंधित जिन गांवों की निकटतम स्वास्थ्य इकाइयों से दूरी 05 किलोमीटर या इस से कम है, ऐसे गांवों को निकटतम स्वास्थ्य इकाइयों के माध्यम से सेवाएँ प्रदान कर संतृप्त किया जा रहा है।

2- **सचल चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से संतृप्ति:-** पीवीटीजी एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हित जिन गांवों की निकटतम स्वास्थ्य इकाइयों से दूरी 05 किलोमीटर से अधिक है, ऐसे गांवों को सचल चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से निरन्तर स्वास्थ्य सेवाओं से संतृप्त किया जा रहा है।

सहयोग -सचल चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को आम जनमानस तक पहुँचाने हेतु द हंस फाउंडेशन के द्वारा सहयोगी संस्था के रूप में कार्य किया जा रहा है।

द हंस फाउंडेशन के द्वारा राज्य में कुल 74 सचल चिकित्सा इकाइयों का संचालन किया जा रहा है। जिसमें मुख्यतया पीएम-जनमन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, राज्य के दूरस्थ / असेवित क्षेत्रों एवं जनपदों के सहयोग हेतु समय-समय पर आयोजित किये जाने वाले विशेष स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत, पी.वी.टी.जी.,धरती आबा, एवं अन्य क्षेत्रों को संतृप्त किये जाने हेतु भी शिविरों का आयोजन किया जाता है। भारत सरकार के टी.बी. मुक्त कार्यक्रम में सहयोग हेतु, जनपदों के अनुरोध पर टीबी कार्यक्रम के 100 दिवसीय अभियान में भी सहयोग प्राप्त किया जा रहा है।

PM JANMAN
Mobile Medical Unit
द हंस फाउंडेशन
"मोबाइल मेडिकल यूनिट"
उत्तराखण्ड

PM JANMAN
Mobile Medical Unit

PM JANMAN
Mobile Medical Unit
द हंस फाउंडेशन
"मोबाइल मेडिकल यूनिट"
उत्तराखण्ड

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, रूद्रप्रयाग
100 दिवसीय नि–क्षय शिविर अभियान
जन-जन का रखे ध्यान,
TB-मुक्त भारत अभियान
TB की शीघ्र पहचान कराएँ
समय पर संपूर्ण इलाज कराएँ
नि–क्षय संपर्क हेल्पलाइन: 1800–11–6666 (टोल फ्री)
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, रूद्रप्रयाग

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, रूद्रप्रयाग
100 दिवसीय नि–क्षय शिविर अभियान
जन-जन का रखे ध्यान,
TB-मुक्त भारत अभियान